Seventeenth Loksabha

an>

Title: Regarding alleged inflated medical bill for a poor patient in Bihar.

श्री राजीव प्रताप रूडी (सारण): महोदया, मैं जिस विषय को रख रहा हूँ, औसतन आज तक मैंने अपने पॉलिटिकल इतिहास में इस प्रकार का विषय सदन में नहीं रखा और इसलिए महत्वपूर्ण है कि मैं हमेशा अपने जीवन में अत्याचार, गलत और धोखे के खिलाफ लड़ता रहा हूँ और आगे भी ऐसी ही परिस्थिति आई है । हमारे क्षेत्र का एक नौजवान है, जिसका नाम संजीव कुमार है और गोरखनाथ चौबे जो ताराअमनोर गांव है मकेर में, उसके निवासी हैं । उसके बच्चे की तबियत खराब थी और दिल्ली में बीएलके अस्पताल में है । महोदया, सब लोग जानते हैं कि बीएलके देश का बहुत बड़ा अस्पताल है । अच्छा अस्पताल है, वहां अच्छे डॉक्टर्स हैं और सब व्यवस्था अच्छी है और मैं डॉक्टरों की बहुत कद्र करता हूँ । वहां पर इस बच्चे की ब्रेन सर्जरी के लिए चार लाख रुपये का एस्टिमेट बना कर दिया गया । चार लाख रुपये का एस्टिमेट बना कर दिया । हमने बिहार के माननीय मुख्य मंत्री से आग्रह किया और चार लाख रुपये उस बच्चे के ऑपरेशन के लिए भिजवा दिए । बच्चे का ऑपरेशन भी हो गया । उसे वहां 12 दिन रखना था । पांच दिन के बाद साढ़े पांच लाख रुपये का बिल दे दिया गया । महोदया, वह बच्चा डेढ़ लाख रुपये अब कहां से ले कर आएगा? अस्पतालों में जब एस्टिमेट बना कर दिया जाता है और उसके बाद मरीज को छोड़ने के समय उसे डेढ़ लाख रुपये और ज्यादा देने के लिए कहा जाता है तो यह अपने आप में एक धोखा है, एक अपराध है । ...(व्यवधान) यह मामला बहुत सीरियस है । महोदया, यह देश के अस्पतालों में हो रहा है । आप अगर उसको कहते कि इसको छह लाख रुपये लगेंगे तो बिहार के मुख्य मंत्री और प्रधान मंत्री उसको छह लाख रुपये देते । लेकिन जब एक गरीब उपचार के लिए अस्पताल में उस एस्टिमेट के साथ भर्ती हो गया और उसके बाद उस पैसे को जमा करने के बाद, उसमें और बिल बन कर आता है, उसमें दवाइयों पर अलग

से 24 हजार रुपये होते हैं । उस बच्चे को क्या पता है कि यह अतिरिक्त 24 हजार रुपये लगे कि नहीं । उसके बाद उसमें सामान के बारे में, सर्जरी के ढाई लाख रुपये थे, और सर्जरी के बाद 2 लाख 78 हजार रुपये हो गए । महोदय, कैसे चलेगा? गरीब कैसे करेगा? जहां हम लोग एक तरफ आयुष्मान भारत से पांच लाख रुपये देते हैं, मैं आपसे अनुरोध करूंगा कि सबके संसदीय क्षेत्र में है और सभी के साथ ऐसा होता है । …(व्यवधान)

माननीय मंत्री जी, यह जांच का विषय है । अगर इस प्रकार से देश में गरीबों के साथ अन्याय होगा । बड़े अस्पतालों और बड़े डॉक्टरों के खिलाफ हमारा कुछ विरोध नहीं है, लेकिन माननीय मंत्री जी, देश में गरीब के साथ इस तरह से अन्याय होगा, सरकार के खजाने से निकाल कर हम उन लोगों के पास जो पैसे पहुंचाते हैं, उसके बाद उनके साथ इस तरह से धोखा होगा तो यह अनुचित है । इस बच्चे को तुरंत उस अस्पताल से छुड़वाया जाए और इस प्रकार के काम जो अस्पताल कर रहे हैं, उनके खिलाफ कार्यवाही की जाए । …(व्यवधान) इसमें सबकी सहमति है । …(व्यवधान) मंत्री जी कुछ कह रहे हैं ।

संसदीय कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री तथा भारी उद्योग और लोक उद्यम मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री अर्जुन राम मेघवाल): सभापति जी, राजीव प्रताप रूडी जी ने जो यह विषय रखा है, वह विषय काफी गंभीर है । इनकी जो फीलिंग्स हैं और दूसरे सदस्यों ने जो भावनाएं प्रकट की हैं, हम संबंधित मंत्रालय को निश्चित रूप से कम्युनिकेट करेंगे । …(व्यवधान)

माननीय सभापतिः बहुत जल्दी कीजिएगा ।

माननीय सांसद सी.पी. जोशी जी ।